महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल का 71वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संदेश

71वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं भारत–नेपाल और भारत–भूटान सीमा की आम जनता, समस्त देशवासियों, आप सभी बलकर्मियों व आपके परिजनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ। हम सभी भारतीय नागरिकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। यह वह दिन है जब भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों के कड़े संघर्ष के बाद हमें ब्रिटिश शासन से आजादी मिली थी। इस पावन अवसर पर सर्वप्रथम मैं बल के शहीद जवान घनश्याम गुर्जर और उप निरीक्षक अमल सरकार के साथ–साथ अपने अन्य शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को भी नमन करती हूँ। इनकी वीरता और शहादत पर बल को गर्व है।

एस.एस.बी. ने पिछले 54 वर्षों के अपने लम्बे सफर में अपने कार्यक्षेत्र में कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं, जिसके लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं। सशस्त्र सीमा बल ने अपने आदर्श वाक्य "सेवा, सुरक्षा एवं बंधुत्व" का अनुसरण करते हुए देश के सभी केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आज अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है। बल ने भारत–नेपाल और भारत–भूटान की सीमाओं की सुरक्षा के साथ–साथ उग्रवाद प्रभावित छत्तीसगढ, झारखण्ड व बिहार में उग्रवाद को समाप्त करने तथा आतंकवाद प्रभावित जम्मू व कश्मीर में आतंरिक सुरक्षा को बनाए रखने में आप सभी के सहयोग से ही महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। बल ने आप सभी के प्रयास से सफलता के और भी कई नए आयाम हासिल किए है। एस.एस.बी. की इसी कर्तव्यपरायणता को देखते हुए भारत सरकार ने इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एस.एस.बी. के दो अधिकारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक, और 12 बलकर्मियों को भारतीय पुलिस पदक से सम्मानित किया है। मैं इन सभी अधिकारियों को भी हार्दिक बधाई देती हूँ।

भारत–चीन युद्ध के बाद गठित एस.एस.बी. वर्तमान में विस्तार के दौर से गुजर रहा है। वर्ष 2001 में सीमा रक्षक बल बनने के बाद 25 बटालियन की अपनी शक्ति से शुरू यह बल आज 73 बटालियन की लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। आज बल के समस्त 6 फ्रंटीयर और 18 सेक्टर हेडक्वार्टरों को स्थापित कर लिया गया है। इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों के लगभग 6000 अधिकारियों और कार्मिकों को पदोन्नत किया गया है। जिसमें 4095 सिपाहियों का दर्जा बढाकर मुख्य सिपाही कर दिया गया है। सहायक कमांडेंट (सामान्य) और उपनिरीक्षक (सामान्य) के पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया को गति प्रदान की गई है जिसके फलस्वरूप वर्ष 2016–17 में 58 सहायक कमांडेंट (सामान्य) के पद आबंटित किए गए हैं और इनके सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2015–16 में एस.एस.बी. को 49 उपनिरीक्षक (सामान्य) आबंटित किए गए थे। जिसमें से अभी तक 28 उपनिरीक्षक (सामान्य) ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सीमित विभागीय परीक्षा के माध्यम से उपनिरीक्षक (सामान्य) के लिए 108 उम्मीदवारों का चयन किया गया। अन्य भर्तियों की प्रक्रिया भी जारी है जिन्हें वर्ष के अंत तक पूरा किए जाने की पूरी संभावना है। एस.एस.बी. में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए हमारा उद्देश्य मात्र इनकी संख्या बढ़ाना नहीं अपितु इन्हें महत्वपूर्ण ड्यूटी सौंपना और इनकी कार्य स्थितियों में सुधार करना भी है।

बल ने आप सभी के प्रयास से सीमा पार से होने वाले तस्करी और अपराधों पर प्राथमिकता के आधार पर रोक लगाने के साथ–साथ सीमा पर मानव तस्करी और वन्य उत्पादों की तस्करी से संबंधित अपराधों पर भी रोक लगायी है। गत् वर्ष आप लोगों के प्रयास से 305 करोड़ रूपए की निषिद्ध सामग्री पकड़ी गयी थी जबकि इस वर्ष मात्र सात माह में ही आप लोगों ने 350 करोड़ रूपए की निषिद्ध सामग्री सीमा पर जब्त की है। इसके लिए आप सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

पहले एस.एस.बी. को भारत–नेपाल व भारत–भूटान सीमा पर लीड इंटेलिजेंस एजेंसी का दर्जा प्राप्त था पर गृह मंत्रालय ने बल के लिए एक समर्पित इन्टेलिजेंस विंग की स्वीकृति देकर हमारे कार्यों को ओर मजबूती प्रदान की है। हमारे समर्पित इंटेलिजेंस विंग के लिए गृह मंत्रालय ने 650 पदों की भी स्वीकृति दी है। बल के नए इंटेलिजेंस विंग का सभी सीमांतों में गठन का काम पूरा हो गया है तथा इसने आप सभी के प्रयास से काम भी करना शुरू कर दिया है।

एस.एस.बी. अपने कार्यक्षेत्र की जनता की किसी भी प्राकृतिक व अन्य आपदाओं में मदद को सदा तत्पर रहता है। इसी को देखते हुए बल के 18 सेक्टर हेडक्वार्टर के तहत इस वर्ष बचाव व राहत दल की स्थापना की गयी है। इससे बल के विभिन्न ए.ओ.आर. में आपदाओं के आने पर हम न सिर्फ First Responder की अपनी छवि को बरकरार रख सकेंगे अपितु एस.एस.बी. आम जनता के बीच भी अपनी अच्छे छवि को बनाए रखने और अपने कार्यों को और भी अधिक सफलता से कर पाने में सफल होगी। इस वर्ष बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और असम में आए बाढ़ ने विकराल रूप धारण कर लिया है। ऐसी स्थिति में मैं आप सभी बलकर्मियों से अपील करती हूँ कि सर्वप्रथम आप सब बलकर्मी अपनी व अपने बी.ओ.पी. की सुरक्षा पर ध्यान दें और उसके साथ–साथ आम आदमी को इन आपदाओं से बचाने का प्रयास करें।

मुझे इस बात की खुशी है कि आप बल कर्मी आज विषम परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का सफलता पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। इस विशेष अवसर पर मैं आपको यह बताना चाहूंगी कि आपके परिजनों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधायें दिलाने और आपके बच्चों को सही शिक्षा दिलाने के लिए हमने गृह मंत्रालय से आपके लिए 11 नए शहरों में सेपरेटेड फैमिली एकोमेडेशन की स्वीकृति ली है तथा इस दिशा में जमीन के अधीग्रहण व मकानों के निर्माण का काम भी शुरू हो गया है। लखनऊ सीमांत के एस.एफ.ए. का शीघ्र ही उद्घाटन होने वाला है जिसमें 416 आवासों की सुविधा मिलेगी। जबकि गुवाहाटी, सिलिगुड़ी और भोपाल के एस.एफ.ए. के लिए जमीन उपलब्ध करा दी गयी है और शीघ्र ही काम शुरू हो जायेगा। जयपुर और हैदराबाद में भी एस.एफ.ए के लिए जमीन के अधिग्रहण का प्रयास जारी है।

एस.एस.बी. ने सेवारत और सेवानिवृत्त एस.एस.बी. कर्मियों व सीमांत की जनता के कौशल के विकास के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के साथ एक समझौता पर हस्ताक्षर किए हैं। आशा है इससे आप एवं आपके परिवारजनों को लाभ होगा तथा सेवानिवृत्ति के बाद आप अपने हुनर का विकास कर स्वावलंबी हो जाएंगे।

हमने आपके व आपके परिवारजनों के इलाज के लिए व अच्छी स्वास्थ्य सुविधा के लिए कई नए अस्पतालों को भी एंपनैल किया है। हमने आपके परिवारजनों के लिए आश्रित पहचान पत्र भी जारी किए है। ताकि आपकी अनुपस्थिति में भी आपके घर के लोग पुलिस कैंटीन सुविधा, रेलवे/वायु टिकट में छूट व स्वास्थ्य आदि सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

अंत में मैं आप सभी से यह आह्ववाहन करूंगी कि हम सब मिलकर पूरी लगन और जोश के साथ कार्य करते हुए सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करें और अपने बल का नाम देश के कोने–कोने में ऊँचा करें।

इस देश की जनता को आप पर असीम विश्वास है और उस पर खरा उतरना आपका पवित्र कर्त्तव्य है। मुझे आशा ही नहीं अपितु विश्वास है कि आप इस विश्वास का और हमारे प्यारे तिरंगे का मान रखेंगे।

जय हिन्द!

(अर्चना रामासुंदरम)
महानिदेशक, एस.एस.बी.